THE PIONEER PAGE 2

LU announces first MOOC

Lucknow (PNS): Lucknow University announced the launch of its first Massive Open Online Course (MOOC) titled 'Unleashing the Potential of Digital Tools in Research', which is part of a project funded by the Higher Education department, Uttar Pradesh, under its research and development initiative.

"We are thrilled to launch this MOOC, which aims to empower researchers to unlock the full potential of digital tools in their work," said Dr Kiran Lata Dangwal, Swayam Coordinator of the University of Lucknow. Dr Dangwal, who is also the course coordinator and developer of this MOOC, further said that this is the first MOOC launched under the aegis of Lucknow University and it has only been possible with the support and motivation of Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai, who is continuously working towards the digital advancement in all sectors of the university.

Course coordinator Dr Shipra Srivastava said, "Our goal is to provide learners with the skills and confidence needed to harness the power of digital research tools and advance their research methodology aligned with the present digital age."

The MOOC features a unique blend of video lectures, interactive quizzes, discussions, and hands-on exercises, providing learners with a comprehensive and engaging learning experience. This is not the first time that Dr Dangwal and Dr Srivastava have developed a MOOC. In 2019, both of them developed a MOOC titled 'Enhancing Life Skills through Technology' on the Moodle platform. Dr Dangwal has already developed many other MOOCs at the international level.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि : पीएचडी में साक्षात्कार के चयनितों की आज जारी होगी सूची

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सात, आठ दिसंबर को हुई पीएचडी प्रवेश परीक्षा में साक्षात्कार के लिए 15 विषयों के चयनितों की सूची रविवार को जारी की जाएगी। इसे अभ्यर्थी वेबसाइट www.lkouniv.ac.in के एडमिशन पेज पर पीएचडी सेक्शन में देख सकेंगे। प्रवेश समन्वयक डॉ. अनित्य गौरव ने पत्र जारी करते हुए इसकी जानकारी दी। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अंग्रेजी, फ्रेंच, हिंदी, गृहविज्ञान, पत्रकारिता, प्राच्य संस्कृत, पर्शियन, उर्दू, पाशचात्य इतिहास, अरबी, अरब कल्चर, गणित, बायोकेमिस्ट्री, पब्लिक हेल्थ और पब्लिक पॉलिसी एवं गवर्नेंस विषय में पीएचडी प्रवेश के लिए परीक्षा हुई थी। साक्षात्कार के लिए अभी तिथि जारी नहीं की गई है। इसके बारे में वेबसाइट पर जल्द सूचना दी जाएगी। किसी तरह की समस्या होने पर अभ्यर्थी मैत्री भवन स्थित प्रवेश समन्वयक कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

15 विषयों के लिए सात, आठ दिसंबर को हुई थी प्रवेश परीक्षा

स्नातक, परास्नातक के नौ विषयों का परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ। स्नातक और परास्नातक के नौ विषयों की परीक्षाओं के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने शनिवार को परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं। जिन विषयों के कार्यक्रम जारी किए गए, उसमें स्नातक स्तर पर बीएजेएमसी, बीबीए, बीएससी एनईपी, बीए एनईपी शामिल हैं। परास्नातक स्तर पर एमए एआईएच, एमपीएच, एमएससी जूलॉजी, एमएलली मॉलिकुलर साइंस और एमएससी एमटीटीएम शामिल हैं।

लविवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं कार्यक्रम

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जारी कार्यक्रमों में बीए और बीएससी एनईपी के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। परीक्षा कार्यक्रम को लेकर समस्या आने पर विद्यार्थी परीक्षा विभाग में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

लविवि की टीम ने देखा संपूर्णानंद विवि

वाराणसी। लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम ने शनिवार को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पुस्तकालय और परिसर को देखा और इनके रखरखाव पर खुशी जताई। हस्तलिखित पुस्तकालय भवन में पांडुलिपियों को देखा और उनके प्रबंधन पर चर्चा की। 1623 की शेक्सपियर कृत पुस्तक भारत का संविधान की प्रति के अवलोकन के साथ कल्हण की राजतरंगिरि और विवि की ओर से 1866 से प्रकाशित पंडित पत्रिका पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने आचार्यों और पुस्तकालय के अधिकारियों को लविवि आने का निमंत्रण दिया। (माई सिटी रिपोर्टर)

सभी रोजाना लगाएं ध्यान

लखनऊ। लविवि के योग संकाय में दर्शन एवं विज्ञान विषय पर संगोष्ठी और ध्यान शिविर का आयोजन हुआ। समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने कहा, जितनी आयु है, उतने मिनट रोजाना ध्यान करना चाहिए। इससे शारीरिक व मानसिक विकास होता है। डीन प्रो. अशोक सेनकर ने कहा, ध्यान को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। योगाचार्य केके शुक्ला, डॉ. उमेश कुमार शुक्ला, डॉ. रामनरेश, डॉ. राम किशोर, शोभित सिंह आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

नाटक मंचन से लैंगिक समानता का संदेश

लखनऊ। लखनऊ विवि के रसायन विज्ञान विभाग में मिशन शक्ति पंचम चरण के तहत महिला सशक्तीकरण पर लघु नाटक का मंचन हु आ। शोधार्थियों ने अभिनय प्रतिभा दिखाई। विभाग समन्वयक डॉ. अमृता श्रीवास्तव ने बताया कि संवाद और सजीव चरित्र चित्रण से नाटक में लैंगिक समानता, आत्मविश्वास और महिलाओं के अधिकारों के लिए सामूहिक समर्थन के महत्व का संदेश दिया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा व अन्य शिक्षक थे। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

हिंदी विषय की एक सीट पर नौ से ज्यादा दावेदार

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी की 15 विषयों में साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची

जासं ● लखनऊ : लवि ने सत्र 2024-25 के रेगुलर पीएचडी दाखिले के लिए शनिवार को 15 विषयों में प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची जारी की। अभ्यर्थी वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर इसे देख सकते हैं। हिंदी विषय में पीएचडी दाखिले के लिए 58 सीटों के सापेक्ष 538 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए सफल हुए। यानी एक सीट पर नौ से ज्यादा दावेदार हैं। वहीं, कई विषयों में सीटों से कम अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए पात्र पाए गए। प्रवेश समन्वयक डा. अनित्य गौरव ने बताया कि जल्द ही साक्षात्कार की तिथि जारी की जाएगी।

जारी किया परास्नातक परीक्षा कार्यक्रम : लवि ने परास्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की समय सारिणी जारी कर दी। वहीं, बी.एससी और बी.ए प्रथम सेमेस्टर एनईपी के परीक्षा कार्यक्रम में संशोधन भी जारी किया है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार एम.एससी मालीकुलर एंड ह्यूमन जेनेटिक तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 से 24 जनवरी तक, एम.एससी जूलाजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं सत्र से 13 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर की 14 से 24 जनवरी, एमपीएच प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 11 से 22 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर को 18 से 29 जनवरी तक होंगी। एमए एआइएच प्रथम और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 से 27 जनवरी तक आयोजित की जाएंगी।

मास्टर आफ टूरिज्म एंड ट्रवल मैनेजमेंट (एमएमटीएम) रेगुलर प्रथम सेमेस्टर (एनईपी) की परीक्षाएं 13 से 25 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर (एजेम्प्टेड, बैक पेपर ओल्ड कोर्स) की सत्र से 22 जनवरी होंगी। बीए(ऑनर्स) प्रथम सेमेस्टर (एनईपी) 10 से 23 जनवरी होंगी। इसी तरह बीवोट टूरिज्म प्रथम सेमेस्टर (एनईपी) रेगुलर परीक्षा को भी तिथि तय कर दी गई है।

लवि ने शुरू किया पहला मूक कोर्स: लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपना पहला मेसिव ओपन आनलाइन कोर्स (एमओओसी) का शुभारंभ शनिवार को किया। 'पोर्टेसिअल आफ डिजिटल टूल्स इन रिसर्च' शीर्षक वाला यह कोर्स लवि की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। यह पहले चरण में शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए निशुल्क रहेगा।

लवि की स्वयं समन्वयक डा. किरण लता डंगवाल ने बताया कि एमओओसी को शुरू करने का उद्देश्य शोधकर्ताओं को अपने कार्य में डिजिटल उपकरणों की पूर्ण क्षमता को उजागर करने के लिए सशक्त बनाना है। इस कोर्स में शोध के लिए डेटा इकट्ठा करने, एनालिसिस, शोध प्रसार आदि के लिए निशुल्क डिजिटल टूल्स दिए गए हैं।

विषय	सीटें	साक्षात्कार
अंग्रेजी	83	210
अरब कल्चर	13	दो
अरेबिक	दो	तीन
बायोकेमिस्ट्री	नौ	13
फ्रेंच	चार	एक
हिंदी	58	538
होम साइंस	एक	13
जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन	दो	11
ओरिएंटल संस्कृत	तीन	एक
पर्शियन	एक	एक
उर्दू	एक	12
वेस्टर्न हिस्ट्री	14	15
पब्लिक पालिसी एंड गवर्नेंस	एक	नौ
गणित	10	31

अब बीकाम में पढ़ाई संग कमाई भी कर सकेंगे विद्यार्थी

जासं ● लखनऊ : केएमसी में अब बीकाम चार वर्षीय ऑटिजसीप एनेबेड प्रोग्राम शुरू होगा। इससे पढ़ाई के साथ कमाई का मौका मिलेगा। शनिवार को कार्यपरिषद की बैठक में इस पाठ्यक्रम को शुरू करने पर स्वीकृति मिल गई है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 से इसे शुरू किया जा सकता है।

यह द्विवर्षीय सामान्य बीकाम से अलग होगी, जिसमें छात्रों को तीन दिन कक्षा में पढ़ाई करने और तीन दिन कंपनियों में ऑटिजसीप करने का मौका मिलेगा। ऑटिजसीप के दौरान छात्रों को हर महीने 8,000 से 13,000 रुपये तक मिलेंगे। केएमसी ने इस पाठ्यक्रम को पहले वर्ष से ऑटिजसीप के साथ शुरू करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम के तहत छात्रों को टिटेल, बैंकिंग और अन्य कंपनियों में काम करने का अवसर मिलेगा। यह उन्हें कामर्स की व्यावहारिक समझ विकसित करने में मदद करेगा। साथ ही यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन छात्रों के लिए उपयोगी साबित होगा जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उन्हें पढ़ाई और रोजगार दोनों का लाभ मिलेगा। साथ ही, वास्तविक दुनिया के अनुभवों से उनकी व्यावसायिक दक्षता बढ़ेगी, जो भविष्य में नौकरी पाने में सहायक होगी। विश्वविद्यालय स्तर पर कंपनियों का चयन किया जाएगा, ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण अनुभव मिल सके। कार्यपरिषद की बैठक में असिस्टेंट प्रो. ममता शुक्ला की सेवा बढ़ाने के मामले को भी निर्णय के लिए पूर्व में गठित समिति को भेज दिया गया।

'तनाव व उच्च रक्तचाप नियंत्रित करता है ध्यान'

लवि के योग शिक्षण में ध्यान शिविर का आयोजन किया गया● सौजन्य से लवि

जासं ● लखनऊ : 'ध्यान भारतीय परंपरा की अनमोल सौगात है। ध्यान के अभ्यास से व्यक्ति का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। ध्यान को मूड मैनेजर कहा जाता है, क्योंकि ध्यान के अभ्यास से शरीर में सेरोटोनिन हार्मोन बढ़ता है। परिणाम स्वरूप जीवन में आनंद एवं प्रसन्नता का भाव उत्पन्न होता है।' यह बात लवि के फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसन एवं योग विभाग के संयुक्त तत्वाधान में संगोष्ठी एवं ध्यान शिविर में कोआर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव ने कही।

'ध्यान का दर्शन एवं विज्ञान' विषय पर डा. अमरजीत ने बताया कि ध्यान के अभ्यास से तनाव, उच्च रक्तचाप, कार्टिसोल एवं एड्रीनलीन हार्मोंस को नियंत्रित किया जा सकता है। अश्विग्रता प्रो. अशोक कुमार सेनकर ने कहा कि ध्यान से व्यक्ति में एकाग्रता बढ़ती है। योगाचार्य श्री के. के. शुक्ला ने प्राचीन पद्धतियों को अपनाते हुए सबको ध्यान का अभ्यास कराया।

कई रोगों से बचा सकता है ध्यान का अभ्यास : बलरामपुर चिकित्सालय के आयुष विभाग में योग विशेषज्ञ डा. नंदलाल ने बताया कि ध्यान भारत के प्राचीन ऋषि मुनियों की अनमोल खोज है। इसके अभ्यास से मानसिक तनाव एवं अनिद्रा जैसे रोगों से बचा सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस के अवसर पर ओमेगा ग्रीन पार्क में रक्षाहरार कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें 35 नए लोगों को आत्मसाक्षात्कार मिला। आयोजक कृष्णा श्रीवास्तव, सचना रीना ने ध्यान कराया। रक्षज योग ध्यान केंद्र विपुल खंड गोमतीनगर लखनऊ के तत्वावधान में सभी कार्य किए गए।

HINDUSTAN PAGE 8

जितनी हो आयु, उतने मिनट रोज करें ध्यान

विश्व ध्यान दिवस

लखनऊ, संवाददाता। एलयू के योग संकाय में दर्शन एवं विज्ञान विषय पर योग हाल में संगोष्ठी और ध्यान शिविर का आयोजन हुआ।

समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने कहा कि भारत सरकार के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रतिवर्ष 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस मनाने का अनुमोदन प्रदान किया। ध्यान के अभ्यास से व्यक्ति का शारीरिक व मानसिक विकास होता है। अधिष्ठाता प्रो.अशोक कुमार सोनकर ने कहा कि ध्यान को जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए जिसके कारण व्यक्ति में एकाग्रता बढ़ती है। योगाचार्य केके शुक्ला ने ध्यान विधि में प्राचीन पद्धतियों को अपनाते हुए सबको ध्यान का अभ्यास कराया। डॉ. उमेश कुमार शुक्ला, डॉ. रामनरेश, डॉ. राम किशोर, शोभित सिंह उपस्थित रहे।

ध्यान करने से यह फायदे: डॉ. अमरजीत यादव का कहना है कि ध्यान के अभ्यास से स्ट्रेस तथा उच्च रक्तचाप नियंत्रित होता है क्योंकि ध्यान के अभ्यास से कार्टिसोल और एड्रीनलीन हार्मोंस की शरीर में मात्रा अधिक होने से उच्च रक्तचाप, तनाव, डिप्रेशन बढ़ जाता है।

बलरामपुर अस्पताल में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस मनाया गया।

ध्यान मन को स्वस्थ रखने की विधि है

लखनऊ। विश्व ध्यान दिवस (वर्ल्ड मेडिटेशन डे) के मौके पर शनिवार को गोमती नगर, विपुल खंड स्थित ब्रह्मकुमारीज के आत्म विज्ञान भवन में राजयोग ध्यान का अभ्यास किया गया। संयुक्त राष्ट्र ने 21 दिसम्बर को वर्ल्ड मेडिटेशन डे घोषित किया है। पहली बार पूरे विश्व में यह दिवस मनाया जा रहा है।

ध्यान के फायदे बताए

लखनऊ। बलरामपुर अस्पताल के आयुष विभाग की ओर से परिसर में योग शिविर हुआ, नंदलाल यादव के निर्देशन में अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस मनाया गया। स्कूल ऑफ नर्सिंग के छात्रों को डॉक्टरों ने ध्यान का अभ्यास कराया।

मेडिटेशन से तनाव होगा दूर

लखनऊ। नियमित ध्यान करने से हमारे अंदर एक सकारात्मक ऊर्जा जाग्रत होती है। यह पूरे दिन शरीर को ऊर्जावान बनाये रखती है। आज के समय में स्वस्थ रहने के लिए सभी को योगाभ्यास एवं ध्यान दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

AMRIT VICHAR PAGE 4

अटल बिहारी मानते थे सकारात्मक विपक्ष के बिना लोकतंत्र अधूरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लविवि में मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के अंतर्गत अटल सुशासन पीठ में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारतीय राजनीति में विपक्ष के नेता के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. नरेंदर कुमार मुख्य वक्ता उपस्थित रहे।

प्रो. नरेंदर कुमार ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया था। वह मानते थे कि बिना सकारात्मक विपक्ष के लोकतंत्र अधूरा है। एक बार संसद में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की तस्वीर न होने पर उनकी तस्वीर लगवाई। मुख्य वक्ता ने 17वीं शताब्दी में यूरोप में विपक्ष की उत्पत्ति और 1977 में एक संसदीय अधिनियम के माध्यम से भारत में विपक्ष के नेता के पद की मान्यता के बारे में चर्चा की। मुख्य वक्ता का स्वागत अटल सुशासन पीठ के संयोजक प्रो. नंदलाल भारती ने सभी का स्वागत किया। संचालन डॉ. वैशाली सक्सेना गुप्ता और डॉ. उत्कर्ष मिश्रा ने किया ने किया। इस अवसर पर डॉ. नंदिता कौशल, डॉ. सुशील चौहान, रिचा यादव, स्वाती दास, अणिमा शुक्ला, वंदना यादव, रवींद्र वर्मा, स्वरूप किशोर, राजेश कुमार, विनोद कुमार समेत शोध छात्र उपस्थित रहे।

उच्च रक्तचाप से लेकर डिप्रेशन तक में कारगर है ध्यान करना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

ध्यान के अभ्यास से सेरोटोनिन हार्मोन बढ़ता है

अमृत विचार : ध्यान के अभ्यास से व्यक्ति का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। ध्यान को मूड मैनेजर कहा जाता है क्योंकि ध्यान के अभ्यास से शरीर में सेरोटोनिन हार्मोन बढ़ता है। जिसके परिणाम स्वरुप जीवन में आनंद और प्रसन्नता का भाव उत्पन्न होता है। यह कहना है लखनऊ विश्वविद्यालय के योग और नेचुरोपैथी विभाग के डॉ. अमरजीत यादव का वह विश्व ध्यान दिवस पर संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के संयुक्त तत्वाधान में ध्यान का दर्शन एवं विज्ञान विषय पर संगोष्ठी और ध्यान शिविर का आयोजन किया गया।

संकाय के डॉ. अमरजीत यादव ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रतिवर्ष 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस मनाने का अनुमोदन किया गया है। उन्होंने कहा कि ध्यान के अभ्यास से स्ट्रेस तथा उच्च रक्तचाप नियंत्रित होता है, क्योंकि ध्यान कार्टिसोल व एड्रीनलीन हारमोंस को ध्यान नियंत्रित करता है। कॉर्टिसोल और एड्रीनलीन हारमोंस की शरीर में मात्रा अधिक होने से उच्च रक्तचाप, तनाव, डिप्रेशन बढ़ जाता है।

लविवि में पीएचडी प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में शोध के लिए प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है। छात्र परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आज शाम तक देख सकते हैं। कुल 15 विषयों में शोध के लिए विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसका परिणाम जारी कर दिया गया है। सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार की तिथि जल्दी ही घोषित की जाएगी जिसके बाद उनका नामांकन आरंभ होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू हो गया है। इसका शीर्षक पोर्टेसिअलऑफ डिजिटल टूल्स इन रिसर्च रखा गया है। प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अनुसंधान और विकास पहल के अन्तर्गत वित्तपोषित परियोजना के तहत इसे शुरू किया गया है। विश्वविद्यालय की स्वयं पोर्टल समन्वयक डॉ. किरण लता डंगवाल ने कहा कि हम इस एमओओसी को लॉन्च करके रोमांचित हैं, जिसका उद्देश्य शोधकर्ताओं को अपने कार्य में डिजिटल उपकरणों की पूर्ण क्षमता को उजागर करने के लिए सशक्त बनाना है। कोऑर्डिनेटर डॉ. शिप्रा श्रीवास्तव ने कहा कि हमारा लक्ष्य शिक्षार्थियों को डिजिटल शोध उपकरणों की शक्ति का दोहन करने और वर्तमान डिजिटल युग के अनुरूप अपनी शोध पद्धति को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास प्रदान करना है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

नारी सशक्तीकरण के लिए नारी शिक्षा और आर्थिक मजबूती जरूरी :डॉ. नीलम

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भेषजिक विज्ञान संस्थान में शनिवार को इंस्टिट्यूट ऑफ वूमेंस स्टडीज की समन्वयक और लविवि की मिशन शक्ति की नोडल ऑफिसर डॉ. मानिनी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति (फेज 5) का आयोजन शनिवार को हुआ। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्या वक्त उत्तर प्रदेश स्टेट वेटरनरी काउंसिल की रजिस्ट्रार डॉ नीलम बाला ने नारी प्रेरणाः इतिहास से आज तक विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ बाला ने अपने उद्धबोधन से छात्राओं को इतिहास की बहादुर नारियों गार्गी, मैत्रैयी कौशल्या, सीता, द्रौपदी, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई एवं आधुनिक भारत की नारियों इंदिरा गांधी, कल्पना चावला आदि का उदाहरण देते हुए स्वावलंबी होने के साथ साथ अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं की विज्ञान, तकनीक, खेल, कला, उद्योग एवं व्यवसाय जगत की नारियों से प्रेरणा लेते हुए विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। महिलाओं की मुख्य चुनौतियों के बारे में बात करते हुए लैंगिक असमानता, सुरक्षा की कमी एवं पारिवारिक तथा सामाजिक दबाव पर चर्चा की। महिलाओं के सशक्तिकरण के विषय में सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों जैसे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला, प्रधानमंत्री मात्र वंदना योजना के विषय में बताया। महिलाओं के पास मातृत्व एवं नेतृत्व दोनों की क्षमता है। आज का युग नारी शक्ति का है। सशक्त नारी ही सशक्त समाज बना सकती है। अतः नारी को अपनी शक्तियों को पहचानते हुए समाज के विकास में अपना योगदान देना चहिए। कार्यक्रम में बीफार्मा और डीफार्मा के 100 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया। संस्थान के निदेशक प्रो पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने मुख्य वक्ता डॉ नीलम बाला का स्वागत एवं सम्मान किया। इस कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डॉ सौम्या सिंह रही। इस मौके पर डॉ आकांक्षा मिश्रा, डॉ लुबना आजमी, करिश्मा सिंह, डॉ प्रणति श्रीवास्तव, शानू सिंह, डॉ किरण सिंह मौजूद रही और कार्यक्रम में सहयोग किया।

लविवि ने एमओओसी शुरू: लखनऊ विश्वविद्यालय को अपने पहले व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) के शुभारंभ किया, जिसका शीर्षक पोटेंसिअलऑफ डिजिटल टूल्स इन रिसर्च है, जो उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अपने अनुसंधान और विकास पहल के अन्तर्गत वित्तपोषित एक परियोजना का हिस्सा है। लखनऊ विश्वविद्यालय की स्वयं समन्वयक डॉ. किरण लता डंगवाल ने कहा कि हम इस एमओओसी को लांच करके रोमांचित हैं, जिसका उद्देश्य शोधकर्ताओं को अपने कार्य में डिजिटल उपकरणों की पूर्ण क्षमता को उजागर करने के लिए सशक्त बनाना है। डॉ. डंगवाल जो इस मॉक के कोर्स कोऑर्डिनेटर और डेवलपर भी हैं, ने आगे कहा कि यह लखनऊ विश्वविद्यालय में लांच होने वाला पहला मॉक है और यह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के समर्थन और प्रेरणा से ही संभव हो पाया है, जो विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रों में डिजिटल उन्नति की दिशा में निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। कोर्स को-कोऑर्डिनेटर डॉ. शिप्रा श्रीवास्तव ने कहा कि हमारा लक्ष्य शिक्षार्थियों को डिजिटल शोध उपकरणों की शक्ति का दोहन करने और वर्तमान डिजिटल युग के अनुरूप अपनी शोध पद्धति को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास प्रदान करना है। यह पहली बार नहीं है कि डॉ. डंगवाल और डॉ. श्रीवास्तव ने मॉक विकसित किया है। 2019 में दोनों ने मूडल प्लेटफॉर्म पर तकनीक के माध्यम से जीवन कौशल नामक मॉक विकसित किया था। डॉ. डंगवाल पहले ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई अन्य मॉक विकसित कर चुके हैं।

लविवि ने जारी किया पीएचडी परीक्षा परिणाम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी परीक्षा का रिजल्ट जारी हो गया है। इसके लिए योग्य अभ्यर्थियों की सूची लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर डाल दी गयी है। इसकी जानकारी देते हुए प्रवेश समन्वयक डॉ. अनित्य गौरव ने बताया कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा 7 और 8 दिसम्बर को आयोजित हुई थी। अभ्यर्थी अपना रिजल्ट वेबसाइट के एडमिशन पेज के पीएचडी पेज पर जाकर 22 दिसम्बर को सूची देख सकते है। इसमें साक्षात्कार की तिथि जल्द जारी की जायेगी। इन विषयों में इंग्लिश, फ्रेंच हिन्दी, होम साइंस, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, ओरियेंटल संस्कृत, परसीयन, उर्दू, वेस्टर्न हिस्ट्री, अरबिक, अरब कल्चर, पब्लिक पॉलिसी एंड ग्रेवांस, मैथमेटिक्स, बायोकैमेस्ट्री और पब्लिक हेल्थ हैं।

राजनीति विज्ञान विभाग में मनाया गया सुशासन दिवस

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने शनिवार को सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में विभाग में व्याख्यान-सह-चर्चा सत्र का आयोजन किया। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर सुशासन दिवस प्रतिवर्ष 25 दिसंबर को उनके जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष राष्ट्र अटल जी के जन्म दिवस के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। इस अवसर पर एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें अनेक विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री की भूमिका एवं योगदान तथा उनके बहुआयामी व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गयी। अटल जी के विकसित भारत के दृष्टिकोण तथा भारत की अर्थव्यवस्था, विदेश नीति, रक्षा एवं सुरक्षा एवं सामाजिक न्याय के संबंध में उनके विचारों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने उनके वक्तृत्व और काव्य कौशल, कूटनीतिक समझ, संगठनात्मक नेतृत्व, एक सांसद के रूप में उनकी भूमिका, दूसरों से जुड़ने की उनकी कला और राजनीतिक स्पेक्ट्रम में उनकी स्वीकार्यता, वैचारिक और राजनीतिक बाधाओं को पार करने पर प्रकाश डाला। उन्होंने देश के भीतर और बाहर सभी का सम्मान अर्जित किया और इस प्रकार उन्हें भारतीय राजनीति के ÷अजातशत्रु÷ और ÷पितामह÷ के रूप में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रो. कविराज, डॉ. शिखा चौहान, डॉ. राजीव सागर, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. तुंगनाथ, डॉ. माधुरी, डॉ. अनामिका और विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजय गुप्ता शामिल हुए। इससे पहले, संकाय सदस्यों द्वारा श्री अटल बिहारी वाजपेयी और देवी सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत कुलगीत के गायन से हुई और समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

LOKSATYA PAGE 3

नारी सशक्तिकरण के लिए नारी शिक्षा एवं आर्थिक मजबूती जरुरी :डॉ नीलम बाला

लखनऊ, लोकसत्य। भेषजिक विज्ञान संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में कुलपति प्रो० आलोक कुमार राय जी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुशल नेतृत्व एवं डॉ मानिनी श्रीवास्तव, समन्वयक, इंस्टिट्यूट ऑफ़ वूमेंस स्टडीज, नोडल ऑफिसर, मिशन शक्ति,लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के मार्गदर्शन में "मिशन शक्ति'' (फेज 5) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य वक्ता डॉ नीलम बाला, रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश स्टेट वेटरनरी कौंसिल ने नारी प्रेरणाः इतिहास से आज तकर विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ बाला ने अपने उद्धबोधन से छात्राओं को इतिहास की बहादुर नारियों गार्गी, मैत्रैयी कौशल्या, सीता, द्रौपदी, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई एवं आधुनिक भारत की नारियों इंदिरा गाँधी, कल्पना चावला आदि का उदाहरण देते हुए स्वावलंबी होने के साथ साथ अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं की विज्ञान, तकनीक, खेल, कला, उद्योग एवं व्यवसाय जगत की नारियों से प्रेरणा लेते हुए विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। महिलाओं की मुख्य चुनौतियों के बारे में बात करते हुए लैंगिक असमानता, सुरक्षा की कमी, एवं पारिवारिक तथा सामाजिक दबाव पर चर्चा की । महिलाओं के सशक्तिकरण के विषय में सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों जैसे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला, प्रधानमंत्री मात्र वंदना योजना के विषय में बताया। महिलाओं के पास मातृत्व एवं नेतृत्व दोनों की क्षमता है।

ARYA PRAWAH PAGE 2

राजनीति विज्ञान विभाग में मनाया गया सुशासन दिवस

आर्य प्रवाह, लखनऊ। विश्वविद्यालय में सुशासन दिवस मनाने के संबंध में माननीय कुलपति के निर्देशों के अनुपालन में राजनीति विज्ञान विभाग ने आज सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में विभाग में व्याख्यान-सह-चर्चा सत्र का आयोजन किया। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर सुशासन दिवस प्रतिवर्ष 25 दिसंबर को उनके जन्म दिवस के र